सबसे ज्यादा विशिष्ट पहचान वाले उत्पादों का राज्य बनेगा उत्तर प्रदेश

लखनऊ। प्रदेश अपने विशिष्ट उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय पहचान देने के लिए भौगौलिक संकेतांकों (जीआई टैग) पर तेजी से काम कर रहा है। जल्द ही यूपी के 23 नए उत्पादों को भी जीआई टैग मिलेगा। अभी तक प्रदेश के 54 उत्पादों को जीआई टैग मिल चुका है। 23 उत्पादों को जीआई टैग मिलने के बाद यूपी सर्वाधिक जीआई टैग वाला राज्य बन जाएगा। मौजूदा समय में तमिलनाडु में सबसे ज्यादा 55 जीआई टैग वाले उत्पाद हैं।

प्रदेश के 23 नए उत्पादों को मिलेगा जीआई टैग

टैगिंग से निर्यात में 12% बढ़ोतरी की उम्मीद

जीआई टैग के जरिये भारत के किसी भी क्षेत्र में पाए जाने वाली विशिष्ट वस्तु का कानूनी अधिकार उस राज्य को दे दिया जाता है। एक तरह से ऐसे उत्पाद उस राज्य के जिले की पहचान होती है। इसका सबसे बड़ा लाभ उस उत्पाद की अंतरराष्ट्रीय ब्रांडिंग में मिलता है। उस क्षेत्र को पर्यटन में भी खासा लाभ होता है। एक जीआई टैग का पंजीकरण 10 वर्ष के लिए वैध होता है। अभी तक तमिलनाडु में सबसे ज्यादा 55 उत्पादों को जीआई टैग मिला है। हालांकि, जीआई टैग वाले हस्तशिल्प के मामले मे यूपी पहले स्थान पर है, जिसके हिस्से में 36 शिल्प उत्पाद हैं। अब इस वर्ष ओवरआल जीआई श्रेणी में भी यूपी देशभर में नंबर वन हो जाएगा। विदेश व्यापार महानिदेशालय के मुताबिक इस वर्ष यूपी को 23 उत्पादों के लिए जीआई टैग मिलने का अनुमान है, इसकी प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इसके बाद यूपी के करीब 77 उत्पाद जीआई टैगिंग से लैस हो जाएंगे। विभाग के मुताबिक टैगिंग से निर्यात में 12 फीसदी तक की बढ़ोतरी की उम्मीद है। ब्यूरो